

डॉ. डोनाल्ड फाउलर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि, व्याख्यान 9, जॉन 10 और कानून

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 9, जॉन 10, और कानून है।

खैर, हमारे आखिरी टेप में, हम राजत्व से लेकर रिहाई की प्राचीन पूर्वी प्रथा, यानी ऋणों को रद्द करने तक, उस धर्मग्रंथ तक एक क्रम बनाने की कोशिश कर रहे थे जहां भगवान ने एक आर्थिक प्रणाली बनाई जिसमें पहले क्रम के धार्मिक निहितार्थ हैं।

फिर हम उससे सबसे विपुल और महत्वपूर्ण शाही उपाधियों में से एक, शेफर्ड की ओर वापस चले गए, और हमने उस पर पुराने नियम की सामग्री के माध्यम से अपना रास्ता बनाया। मैंने अपने स्वयं के अध्ययन में जो प्रस्तावित किया है वह यह है कि जॉन के सुसमाचार के 10वें अध्याय को समझने के लिए चरवाहे की कल्पना आवश्यक है। मुझे यकीन है कि आपको पिछले टेप में याद होगा कि मैंने जॉन के गॉस्पेल के लिए दो तरीकों से मंच तैयार किया था।

एक है जॉन 1 पर वापस जाना और आपको यह दिखाना कि जॉन का धार्मिक एजेंडा यह दिखाना है कि यीशु मसीहा है, लेकिन मसीहा ईश्वर का अवतार है। दो यह है कि अवतारी ईश्वर जो मसीहा है, वह असाधारण महत्व के उपचार करने में सक्षम है। वह नौवें अध्याय को पूरी तरह से बदल देता है।

तो, इसे ध्यान में रखते हुए, हम जॉन 10 पर एक नज़र डालने के लिए तैयार हैं। मैं अच्छी तरह से जानता हूँ कि यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि है। आप शायद यह नहीं जानते होंगे कि जॉन 10 की पृष्ठभूमि पुराना नियम है।

और इसलिए, इस परिच्छेद की लगभग सार्वभौमिक रूप से व्याख्या की गई है जैसे कि यह एक तरह का उपदेश है जिसे यीशु ने खुद को चरवाहे के रूप में और अपने लोगों को भेड़ के रूप में रचा है, और इसलिए, कहानी के विभिन्न घटक भेड़ और चरवाहों की देहाती कल्पना में फिट बैठते हैं। 30 साल पहले, मैंने इस अध्याय पर अपना डॉक्टरेट शोध प्रबंध किया था, और जब मैंने 30 साल पहले ऐसा किया था, तो मैं वर्तमान व्याख्या के लिए जंगल में रोने वाली आवाज़ थी। मैं आपके सामने पुष्टि की भावना को स्वीकार करता हूँ क्योंकि 30 साल बाद, इसके बारे में मेरी समझ मध्य पूर्व में अधिक सामान्य हो गई है।

और तो, वह कौन सी समझ है? यदि आप इस परिच्छेद की उसी तरह व्याख्या करते हैं जिस तरह से इसकी सामान्य रूप से व्याख्या की जाती है, तो इसका मतलब है कि यीशु अपने श्रोताओं को मुख्य रूप से यह सिखा रहे थे कि मैं तुम्हें मुक्ति प्रदान करने के लिए आया हूँ। और यह परिच्छेद की एक सामाजिक या उद्धारकारी समझ होगी। परिच्छेद के बारे में मेरी समझ यह है कि यह काफी हद तक ईसाई धर्म पर आधारित है।

अपनी भेड़ों के लिए अपनी जान देने का इससे अलग कोई मतलब नहीं होगा कि वह कौन है। तो इस अनुच्छेद के बारे में मेरी समझ यह है कि यीशु स्वयं को इसराइल के चरवाहे परमेश्वर के रूप में प्रकट कर रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, मैं एक परिचयात्मक विचार कहना चाहूंगा, और फिर हम जॉन 10 के अंश को देखेंगे।

पुराने नियम में, ईश्वर या इस शाही मसीहाई व्यक्ति को छोड़कर किसी को भी चरवाहे की उपाधि नहीं दी गई है, जिसके बारे में धर्मग्रंथ में बात की गई है। इसलिए मुझे लगता है कि यीशु यह जानते थे, और मुझे लगता है कि उनके श्रोता इस बात से अवगत थे, कि चरवाहे की कल्पना इसराइल के परमेश्वर की है। तो, इसे ध्यान में रखते हुए, आइए जॉन 10 पर एक नज़र डालें।

मैं पूरा अध्याय नहीं पढ़ूंगा. यह मैं हूँ की एक श्रृंखला है। मैं दरवाजा हूँ, वह हमें 7 और 8 में बताता है। और फिर 11 में, वह कहता है, मैं अच्छा चरवाहा हूँ।

प्राचीन निकट पूर्व में, आधा दर्जन राजा स्वयं को अच्छा चरवाहा कहते थे। यह कोई नया शब्द नहीं है. वास्तव में, मिस्र के हलकों में, फिरौन के लिए खुद को अच्छा चरवाहा कहना आम बात थी।

तो, यह कोई असामान्य शाही शब्द नहीं है। यीशु ने कहा, अच्छा चरवाहा मैं हूँ, और मैं अपनों को जानता हूँ, और मेरे अपने मुझे जानते हैं, जैसे पिता मुझे जानता है, और मैं पिता को जानता हूँ, और भेड़ों के लिये अपना प्राण देता हूँ। और मेरी और भी भेड़ें हैं जो इस भेड़शाला की नहीं हैं।

मुझे उन को भी लाना अवश्य है, और वे मेरा शब्द सुनकर एक झुण्ड बन जायेंगे। खैर, मुझसे एक श्लोक छूट गया: श्लोक 12।

वह कहता है कि अच्छा चरवाहा भेड़ों के लिये अपना प्राण दे देता है। वह, जो मजदूर है और चरवाहा नहीं है, जो भेड़ों का मालिक नहीं है, भेड़िये को आते देखता है, और भेड़ों को छोड़कर भाग जाता है, और भेड़िया उन्हें छीन लेता है और तितर-बितर कर देता है। वह भाग जाता है क्योंकि वह मजदूर है और उसे भेड़ों की चिंता नहीं है।

मैं अच्छा चरवाहा हूँ, इसलिए वह इसे दोहराता है। यह वास्तव में महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें बाइबिल धर्मशास्त्र कैसे काम करता है इसकी एक सुंदर तस्वीर देता है।

मैं संपूर्ण बाइबिल में एक प्रमुख सूत्र के रूप में जो देखता हूँ वह ईश्वर का राजत्व है, जो आगे चलकर अवतारी ईश्वर के रूप में यीशु मसीह के राजत्व में प्रकट हुआ। और मुझे लगता है कि यह एक प्रमुख धार्मिक विषय है जो धर्मग्रंथों को एकजुट करता है। और इसलिए यहां जॉन 10 में जब यीशु कहते हैं, मैं अच्छा चरवाहा हूँ, तो वह सबसे दिलचस्प शब्दों में यह कहते हुए ऐसा करते हैं, वह कहते हैं, वह जो मजदूर है और चरवाहा नहीं है, जो मालिक है, वह भेड़िये को देखता है आकर वह भेड़-बकरियों को छोड़कर भाग जाता है।

इसे गूढ़ भेड़ के चरवाहे, हरे चरागाह के रूप में प्रस्तुत करने के बारे में एक बात यह है कि कल्पना का कोई मतलब नहीं है। तो, आइए मैं आपको यह दिखाने के लिए कल्पना के विभिन्न

भागों के माध्यम से चलता हूँ कि मेरा क्या मतलब है। उसने कहा कि वह मजदूर था, उसने भेड़िये को आते देखा और भेड़ें छोड़ दीं।

ठीक है, हमने इसे पढ़ा क्योंकि आपको याद है जब हमने शुरुआत में ऊर्ध्वाधर स्थानांतरण के बारे में बात की थी। खैर, जब हम भेड़िया शब्द देखते हैं, तो हम उस भेड़िये को लंबवत रूप से स्थानांतरित कर देते हैं जिसके बारे में हम धर्मग्रंथ के पत्रों पर जानते हैं। खैर, यह वास्तव में दिलचस्प है क्योंकि यह एक ही प्रजाति का जानवर है, लेकिन यह एक ही जानवर नहीं है। जिस भेड़िये के बारे में हम यूरोप और अमेरिका में जानते हैं वह एक बड़ा जानवर है, 60, 70 पाउंड का, वह एक इंसान को मारने में पूरी तरह सक्षम है, वह एक भैंस को मारने में सक्षम है।

जैक लंदन ने उन्हें उनके विशाल दांतों और उनके शातिर व्यक्तित्व से याद किया। खैर, उस भेड़िये और फ़िलिस्तीनी भेड़िये से आगे कुछ भी नहीं हटाया जा सका। फिलिस्तीनी भेड़िया एक अकेला जानवर है और इसका वजन शायद 20 पाउंड है।

यह एक बड़ा जानवर है। यह अमेरिका के नर कोयोट के आकार का भी नहीं है। तो, यह एक अकेला जानवर है, और इसलिए जब यीशु ने इस अनुच्छेद में कहा कि जब वह भेड़िये को आते देखता है, तो वह भाग जाता है, यीशु के श्रोताओं ने निस्संदेह कहा होगा, यह अजीब है।

आपसे यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि झुंड चराने वाली छह साल की फिलिस्तीनी लड़की फिलिस्तीनी भेड़िये से नहीं भागेगी। भेड़िये ने लड़की को देखा होगा और घूमकर दूसरी दिशा में भाग गया होगा। यह कोई खतरनाक जानवर नहीं है।

यह पैक्स में नहीं चलता, और यह खतरनाक नहीं है। तो यीशु ने यह क्यों कहा कि उसने भेड़िये को आते देखा और भाग गया? खैर, ऐसा इसलिए है क्योंकि भेड़िया वास्तव में भेड़िया नहीं है, बल्कि अच्छा चरवाहा वास्तव में एक चरवाहा है।

इस अनुच्छेद का कोई मतलब न होने का एक और कारण है। इन सभी वर्षों में, मैंने अपनी पत्नी का ध्यान भटकाया है क्योंकि मुझे टीवी पर जानवरों के शो देखना पसंद है। खैर, मैं यहां आपको यह बताने के लिए हूँ कि मुझे उन सभी जानवरों के शो और उन सभी समयों के लिए भुगतान करना है जब उन्होंने मेरी पत्नी को परेशान किया है क्योंकि मैं आपको एक कुत्ते की प्रकृति के बारे में बता सकता हूँ।

जब मैं इन बड़ी बिल्लियों के शो देखता हूँ, चाहे वे बड़ी बिल्लियाँ हों या छोटी बिल्लियाँ, बिल्लियाँ दिलचस्प होती हैं क्योंकि जब उन्हें पकड़ लिया जाता है, तो वे मार देती हैं और फिर खा जाती हैं। भेड़िये या कुत्ते ऐसे नहीं होते। बेचारे जानवर के मरने से पहले ही वे खाना शुरू कर देते हैं।

वास्तव में, जानवर इसलिए नहीं मरता क्योंकि वे उसे मारते हैं। यह सदमे से मर जाता है। तो, हालांकि, कुत्ते के बारे में एक अजीब बात यह है कि वह न केवल इस तरह मारता है, बल्कि एक कुत्ता, बिल्ली के विपरीत, आनंद के लिए बार-बार मारता है।

वह केवल आनंद के लिए बार-बार हत्या करेगा। यदि चरवाहा, जो किराये पर है, झुंड को फ़िलिस्तीनी भेड़िये के लिए छोड़ देता है, तो कौन जानता है कि वह उनमें से कितनों को खत्म होने से पहले मार डालेगा क्योंकि वह मारने की खुशी के लिए मारता है। तो उस हिस्से का कोई मतलब नहीं है कि वह भेड़ों को भेड़िये के पास छोड़ देगा क्योंकि भेड़िया उन सभी को मार डालेगा।

यीशु ने इस बुरे चरवाहे की तुलना एक मजदूर से की है। खैर, हम मूसा की व्यवस्था से जानते हैं, और हम इस घंटे के शेष भाग में मूसा की व्यवस्था के बारे में बात करेंगे, कि मूसा के पास चरवाही के बारे में एक व्यवस्था है। चरवाहा एक महत्वपूर्ण पेशा था और उस पेशे में उनका एक कानून था।

क्योंकि इंसान तो इंसान है बेईमानी तो करेगा ही। तो, आपके पास यह संभावित संभावना थी कि चरवाहा भेड़ को बाजार में बेचना चाहेगा और फिर अपने मालिक, भेड़ के मालिक को बताएगा कि भेड़ को एक जंगली जानवर ने मार डाला है। इसलिए, मूसा ने अपनी बेगुनाही दिखाने के लिए इस तरह की स्थिति से निपटने के लिए एक कानून बनाया। चरवाहे को भेड़ के कान और पैर, खुर, इस बात के प्रमाण के रूप में पेश करने होंगे कि जानवर खाया गया था और उसने इसे यूँ ही नहीं बेचा था।

खैर, अगर कल्पना में किराये पर लिया गया व्यक्ति भाग जाता है, तो उसके पास अपनी बेगुनाही साबित करने का कोई रास्ता नहीं है। इसलिए, जब आप जॉन 10 में अच्छे चरवाहा मार्ग के घटक भागों को देखते हैं, तो वस्तुतः इनमें से कोई भी देहाती सेटिंग में फिट नहीं बैठता है। तो, यह अपेक्षाकृत स्पष्ट है कि यीशु इसे प्रतीकात्मक रूप से उपयोग कर रहे थे ताकि अच्छा चरवाहा कुछ और हो, भेड़िया कुछ और हो, किराये पर रहने वाला कुछ और हो, और ये बस एक और कहानी के रूपक हैं।

तो, हम जो बता सकते हैं वह बिल्कुल स्पष्ट है, मुझे लगता है कि हम सभी, कि अच्छे चरवाहे यीशु हैं। वह ऐसा कहता है। मैं अच्छा चरवाहा हूँ।

अच्छा, भेड़िया कौन है? यह स्पष्ट नहीं है। भेड़िया शैतान हो सकता है, या भेड़िया हेरोडियन राजाओं में से एक हो सकता है। अधिक संभावना यह है कि किराये पर लिया गया यीशु, हेरोडियन राजाओं में से एक का जिक्र कर रहा है।

तो, वह जिस बारे में बात कर रहा है, मुझे लगता है, यथोचित रूप से स्पष्ट है, यदि निश्चित नहीं है, तो वह यह है कि यीशु कह रहे हैं, मैं असली राजा हूँ। छद्म राजा वह राजा है जो अपनी भेड़ों की रक्षा नहीं करेगा और इसके बजाय उन्हें छोड़ देगा। अब, मेरे पास एक बहुत प्रसिद्ध ईसाई टिप्पणीकार का नाम है जिसने जॉन पर एक टिप्पणी लिखी थी।

और जब मैं अपना शोध प्रबंध लिख रहा था, तो उन्होंने उस बारे में कुछ नहीं कहा जो मैंने अभी आपसे कहा था। उन्होंने इसे ऐसे पढ़ा जैसे यह किसी चरवाहे और उसकी भेड़ों के बारे में कहानी हो। मुझे यह सुनकर प्रसन्नता हुई कि वह ऐसा कह रहा था।

मुझे अपने एक छात्र से, जो इस व्यक्ति के अधीन डॉक्टर का काम कर रहा था, यह सुनकर भी खुशी हुई कि उसने अपनी कक्षा में इसके विपरीत उल्लेख किया था, कि यह वास्तव में राजत्व के बारे में है, और यीशु वास्तव में खुद को इज़राइल के भगवान के रूप में प्रकट कर रहा है। . क्योंकि पुराने नियम में एकमात्र चरवाहे की उपाधि परमेश्वर की है। अब, जब हम अपनी आंखों के सामने प्रकट होने वाले मार्ग को देखते हैं, तो महीनों बाद, इन शब्दों के कारण यहूदियों के बीच विभाजन पैदा हो गया।

और इसलिथे उन में से बहुतेरे कहने लगे, उस में दुष्टात्मा है, और वह पागल है, तुम उसकी क्यों सुनते हो? दूसरे लोग कह रहे थे कि यह किसी एक प्रेतात्मा का कथन नहीं है। कोई राक्षस अंधों की आंखें तो नहीं खोल सकता? देखें कि जॉन हमें पिछले अध्याय में वापस कैसे ले जाता है, यह प्रमाणित करने के लिए कि यीशु कौन है? खैर, उस समय, समर्पण का पर्व यरूशलेम में हुआ था। जाड़े के दिन थे, और यीशु सुलैमान के ओसारे में मन्दिर में टहल रहा था, और यहूदी उसके पास इकट्ठे होकर उस से कहने लगे, तू हमें कब तक भ्रम में रखेगा? यदि आप मसीहा हैं, तो हमें स्पष्ट रूप से बताएं।

दूसरे शब्दों में, यीशु ने जो किया वह वास्तव में उनके कार्य करने के तरीके के बारे में असामान्य नहीं था, वह कुछ ऐसा कहेंगे जिसे दो अलग-अलग तरीकों से समझा जा सकता है। इसे एक साधारण भेड़-चरवाहे की कहानी के रूप में समझा जा सकता है, या यह समझा जा सकता है कि यीशु कह रहा था कि वह मसीहा है क्योंकि वह चरवाहा है जिसके बारे में यहजेकेल ने अध्याय 34 में उपदेश दिया था। खैर, अंत में, हमारे साथ खेल मत खेलो।

हमें साफ-साफ बताओ, क्या तुम मसीहा हो? पद 25 में यीशु ने उन से कहा, मैं ने तुम से कह दिया, परन्तु जो काम मैं अपने पिता के नाम से करता हूं, उन की प्रतीति तुम ने न की। ये मेरी गवाही देते हैं. जब यीशु कहते हैं, मैंने तुमसे कहा था, तो उन्हें गुड शेफर्ड कहानी में कही गई बातों का उल्लेख करना होगा। जब उस ने कहा, मैं अच्छा चरवाहा हूं, तो मैं तुम से कह रहा था कि मैं मसीहा हूं।

मुझे ऐसा लगता है कि यह पुराने नियम में इसराइल के चरवाहे, जो ईश्वर है, और मसीहा के रूप में यीशु, जो अब इसराइल का चरवाहा है, जो अवतारी ईश्वर है, के बीच एक स्पष्ट समानता बनाता है। अंत में, मैं इस पर टिप्पणी करूंगा क्योंकि मैं न्यू टेस्टामेंट से आगे बढ़ने के लिए तैयार हो जाऊंगा। मुझे लगता है कि इस कहानी के परिणामस्वरूप जॉन अपने सुसमाचार को चरमोत्कर्ष पर ले आता है।

क्योंकि यीशु ने उन से कहा, तुम मेरा शब्द सुनते हो, परन्तु उन्हें नहीं जानते, परन्तु मैं अपनी भेड़ों को जानता हूं, पद 28 में मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूं, वे कभी नाश न होंगी, कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा। वह उनसे कहता है, मैं और पिता एक हैं। यह बिल्कुल यहजेकेल 34 का संदेश है।

यहजेकेल 34 का संदेश यह है कि नये डेविड और येपेत एक ही हैं। मैं और बाप एक हैं। मुझे लगता है कि यह जॉन के धार्मिक लक्ष्य को उसके चरमोत्कर्ष पर लाता है क्योंकि अब इन सभी

अध्यायों के माध्यम से यीशु को निर्विवाद रूप से प्रकट किया गया है कि वह सिर्फ मसीहा नहीं बल्कि ईश्वर का अवतार है।

यहां से, किताब का बाकी हिस्सा किसी तरह यह साबित करने के समग्र धार्मिक लक्ष्य के प्रतिकूल है कि यीशु और ईश्वर एक ही हैं। मैं आपसे कहूंगा, इसलिए नहीं कि मैं इसके बारे में विस्तार से बात करने जा रहा हूं, जो मैं इस पाठ्यक्रम पर अपनी कक्षा में करता हूं, बल्कि इसलिए कि मैं सिर्फ आपको यह कहते हुए सुनना चाहता हूं कि मैं जिन सच्चाइयों के बारे में आपको बता रहा हूं नए नियम के ईसाई नेताओं के नेतृत्व के लिए चरवाही का निहितार्थ है। इफिसियों 4.11 को छोड़कर किसी भी नए नियम के ईसाई नेता को चरवाहा नहीं कहा गया है, जब वह कहता है कि भगवान ने कुछ पादरी, अल्पविराम, शिक्षकों को खड़ा किया।

यदि हां, तो यह एकमात्र स्थान है जहां किसी भी नए नियम के नेता को चरवाहा कहा जाता है। नए नियम में चरवाहा यीशु के लिए आरक्षित है, मुझे लगता है, उसी तरह पुराने नियम में चरवाहा भगवान के लिए आरक्षित है। इसलिए, मैं आपके सामने जो प्रस्ताव रखूंगा वह यह है कि नया नियम अपने नेताओं को एक या दो अवसरों पर उप-चरवाहों के रूप में संदर्भित करता है, इसका निहितार्थ इस बात पर है कि देहाती मंत्रालय का संचालन कैसे किया जाना चाहिए।

तो, मैं आपसे जो कहूंगा वह यह है कि इसके निहितार्थ इस सरल कथन में सन्निहित हो सकते हैं: यदि यीशु अच्छे चरवाहे हैं और हम पादरी के रूप में अधीनस्थ चरवाहे हैं, तो हमारी भूमिका उनकी भूमिका के समान है, और वह है देहाती मंत्रालय उसी प्रकार की शब्दावली में सन्निहित है। अधीनस्थ चरवाहों के रूप में हमारी भूमिका प्रदान करना और सुरक्षा करना है। यह यीशु का सटीक मिशन है, यह भगवान का सटीक मिशन है, और मुझे लगता है कि उनके प्रतिनिधियों के रूप में, यही हमारी भूमिका भी है।

इसलिए, मैंने जो किया है, उसमें एक छोटी सी स्लैपशॉट तस्वीर पेश करने की कोशिश की गई है कि कैसे ईश्वर राजा जैसी अवधारणा पूरे नए नियम में अपना रास्ता बना सकती है। यह कोई दुर्घटना नहीं है कि जब हम प्रकाशितवाक्य की पुस्तक तक पहुंचते हैं, तो जॉन यीशु के शासन का वर्णन करता है जैसे वह लोहे की छड़ी के साथ चरवाहा करता है। वह अभी भी यीशु को इसराइल के राजा के रूप में संदर्भित करता है।

इसलिए, जब मैं पृष्ठभूमि की इस अवधारणा को छोड़ रहा हूं तो मैं हमारे सामने जो प्रस्ताव रखूंगा वह यह है कि, यदि आप कुछ ऐसा खोजना चाहते हैं जो बाइबिल को एक साथ लाता है, तो यह उन चीजों में से एक है जो काम कर सकती है। ईश्वर के राजत्व की अवधारणा, यीशु में ईश्वर के राजत्व की अवधारणा, चरवाहों में ईश्वर के राज्य की अवधारणा एक रुब्रिक बनाती है जो, मेरे विचार से, अधिकांश धर्मग्रंथों के माध्यम से अपना रास्ता बनाती है। तो, जैसा कि कहा गया है, मैं अब आपके साथ गियर बदलने जा रहा हूं और जहां हम अभी नोट लेने की स्थिति में हैं, वहां स्विच करने जा रहा हूं, जो कि राजत्व से कानून की ओर एक अचानक और नाटकीय बदलाव है।

अब, पहली नज़र में, यह वास्तव में एक नाटकीय बदलाव जैसा दिखता है। मैं यहां जो कर रहा हूं वह आपको दिखा रहा है कि मूसा का कानून हम्मुराबी के कानून के कितना समान है। तो, मैं

आपको दिखा रहा हूँ, वे निश्चित रूप से कॉपी किए गए दस्तावेज़ नहीं हैं, लेकिन इन दोनों कानूनों के बीच काफी दिलचस्प समानताएं हैं।

मूसा की व्यवस्था में हमारे द्वारा किए गए बड़े अपराधों को देखें, और फिर हम्मुराबी में हमारे द्वारा किए गए बड़े अपराधों को देखें। आप जो देखेंगे वह कुछ इस प्रकार है। उनमें से लगभग एक तिहाई या शायद एक चौथाई समान हैं।

लेकिन आप जो देखते हैं वह यह है कि हम्मुराबी के कोड में, यह क्लिंट ईस्टवुड को एक बहिन जैसा दिखता है। शराब की बोतल चुराओ, मौत। कुछ चुराओ, अवधि, मृत्यु।

झूठी संपत्ति की रिपोर्ट करना, खोई हुई संपत्ति, मृत्यु की झूठी रिपोर्ट करना। दूसरे शब्दों में, हम्मुराबी की संहिता से पता चलता है कि आपने लोगों को मार डाला, आपने लगभग हर चीज़ के लिए लोगों को मार डाला। खैर, जब हम इन दोनों दस्तावेज़ों को देख रहे हैं और उनकी तुलना कर रहे हैं, तो कई चीज़ें हैं जो मैं आपसे कहूंगा।

पुराने टेस्टामेंट में नए टेस्टामेंट की तुलना में मृत्युदंड संबंधी अपराधों की संख्या बहुत कम है। हम्मुराबी की संहिता में 282 कानून हैं। 611, या 613 हैं क्योंकि रब्बियों ने उन्हें पुराने नियम के कानूनों के अनुसार अलग-अलग तरीके से गिना है।

पुराने नियम में हम्मुराबी की तुलना में लगभग दो तिहाई कानून हैं, फिर भी हम्मुराबी में चार गुना अधिक मृत्युदंड वाले अपराध हैं। यह हमें बताता है कि मूसा की संहिता, भले ही बड़ी हो, लेकिन इसमें मृत्युदंड से जुड़े अपराधों की संख्या बहुत कम है। दूसरे, जब हम हम्मुराबी की संहिता की तुलना मूसा के कानून से करने की कोशिश करते हैं, तो हम जान सकते हैं कि मूसा की संहिता काफी हद तक धार्मिक कानून है।

लोगों को इसलिए फाँसी नहीं दी जाती क्योंकि वे चोरी करते हैं; उन्हें फाँसी दे दी गई क्योंकि चोरी करना पाप है। हम्मुराबी संहिता में, यह नागरिक कानून है।

यह राज्य का कानून नहीं है। यह राज्य का कानून है। तो यह एक और महत्वपूर्ण अंतर है कि भगवान ने मूसा को जो कानून दिया वह कैसे काम करता है और हम्मुराबी ने जो कानून लिखा वह कैसे काम करता है।

हम्मुराबी का कानून नागरिक कानून है। मूसा की संहिता स्पष्ट रूप से एक धार्मिक कानून है। तीसरा, इन दोनों कानून संहिताओं के दर्शन के बीच एक महत्वपूर्ण तुलना है।

कानून संहिता एक दिलचस्प समान स्थिति साझा करती है। इसे अंक 5 में ईर्ष्या का नियम कहा गया है। हम्मुराबी में एक समान कानून है।

ईर्ष्या का नियम यही स्थिति है। यदि किसी पुरुष को संदेह है कि उसकी पत्नी यौन रूप से बेवफा रही है, तो वह आरोप लगाना चाहता है। और इसलिए, इन दोनों कानून संहिताओं में एक समान कानून है जो यौन बेवफाई के इस मुद्दे से निपटता है।

हम्मुराबी संहिता में एक महिला पर इसका आरोप लगाया गया है। उसका पति उसे पुजारी के सामने लाता है। पुजारी उसके हाथ और पैर बांधते हैं और उसे नदी में फेंक देते हैं।

अगर वह बच गयी तो निर्दोष है. हालाँकि, हम्मुराबी के कानून का धर्मशास्त्र यह था कि नदी एक देवता है। इसलिए, यदि भगवान उसे निगल जाए, तो वह दोषी है।

जबकि यदि ईश्वर उसे निगल नहीं जाता तो वह निर्दोष है। यानी, वास्तव में, अग्निपरीक्षा द्वारा परीक्षण। एक निश्चित अर्थ में, उसे तब तक दोषी माना जाता है जब तक वह यह साबित नहीं कर देती कि वह निर्दोष है।

उसे अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए अग्निपरीक्षा से बचना होगा। अब, दिलचस्प बात यह है कि हम्मुराबी की कानून संहिता के लिए एक धर्मशास्त्र है, लेकिन यह माना जाता है कि वह दोषी है जब तक कि वह अपनी बेगुनाही नहीं दिखा सकती। मूसा की संहिता में, कानून इस प्रकार काम करता है।

यदि किसी पति को विश्वास होता कि वह बेवफा है, तो वह उसे पुजारी की उपस्थिति में ले आया, और वहाँ तम्बू में, संख्या 5, मंदिर अभी तक नहीं बनाया गया था, वहाँ तम्बू में वह अपनी बेगुनाही की शपथ लेती है। तब पुजारी तम्बू के फर्श से कुछ जमीन, कुछ तलछट लेता है, वह इसे पानी में डालता है, वह अपनी बेगुनाही की कसम खाता है, वह पानी के साथ कटोरा पीता है, और फिर वह उसमें तलछट डालता है, और अगर उसे कुछ नहीं हुआ तो वह निर्दोष है। हालाँकि, यह इस पर निर्भर करता है कि हम इसे अक्षरशः पढ़ते हैं या नहीं, लेकिन यदि उसकी जांघ सूज जाती है, तो वह दोषी है।

अब, जब आप उन दो कानूनों की तुलना करते हैं, तो यह मेरे लिए पूरी तरह से आकर्षक है क्योंकि मूसा की संहिता, संक्षेप में, बताती है कि दोषी साबित होने तक वह निर्दोष है। दूसरे शब्दों में, वह उस तलछट को पीती है जो पवित्र है, और यदि उसे कुछ नहीं होता है, जो सामान्य होगा, तो वह निर्दोष है। अग्निपरीक्षा से कोई परीक्षण नहीं होता।

उसे तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि भगवान यह न दिखा दे कि वह दोषी है। यह इन दो कानून संहिताओं का एक आकर्षक विश्लेषण है क्योंकि यह हमें दर्शाता है कि उनके पास अलग-अलग पूर्वधारणाएँ हैं, अर्थात्, एक में, आप दोषी साबित होने तक निर्दोष हैं, और दूसरे में, आप निर्दोष साबित होने तक दोषी हैं। मेरे कक्षा नोट्स में एक अनुभाग है, क्या आप खुश नहीं हैं कि यह आपके लिए उपलब्ध है, जिसमें मैं दो कानून संहिताओं में समान विचारों की तुलना करता हूँ।

यह देखना बहुत दिलचस्प है कि वे कितने समान हैं। यह हमें याद दिलाता है कि ईश्वर ने अपना रहस्योद्घाटन संस्कृति के भीतर दिया, संस्कृति से ऊपर नहीं, और ईश्वर जो देना चाहता है उस पर इसका वास्तविक प्रभाव पड़ता है। तो, इन दो कोडों के बीच समानताओं की इस सूची को देखें, जिनमें काफ़ी प्रभावशाली समानताएँ हैं।

तो, हम इसके आगे के निहितार्थों के बारे में बात करने जा रहे हैं, लेकिन यहाँ, वैसे, देवता शमाश के सामने हम्मुराबी की एक तस्वीर है, और शमाश उसे शायद किसी प्रकार की एक लेखनी दे रहा है, मुझे यकीन नहीं है कि यह क्या है, लेकिन यहाँ स्टेला का ऊपरी भाग है जो हम्मुराबी की संहिता है। हम्मुराबी का कोड मुझसे लंबा है, लगभग छह फुट का है। तो यहाँ हमारे पास है, यहाँ हमारे सामने वही है।

इसलिए, मैंने सोचा कि अब आपको प्राचीन निकट पूर्व में मौजूद विभिन्न कानून संहिताओं के बारे में बताने का समय आ गया है। आज तक, हमारे पास सबसे पुराना कानून कोड उर-नम्मू का है, जो सुमेरियन है, और यह 2100 ईसा पूर्व का है। हमारे पास अगला सबसे पुराना कानून कोड लिपिट-ईशतर का है।

वह शायद इसेन का राजा था, और यह सुमेरियन भी है, लेकिन फिर 1800 में, हमारे पास एक राजा की ओर से, बेशक, एक कानून संहिता लिखी गई है, लेकिन हम नहीं जानते कि वह कौन सा राजा था। इसलिए, इसे एशुरा कहा जाता है क्योंकि यही वह शहर है जहाँ यह पाया गया था। उन महान कानून संहिताओं में से अंतिम हम्मुराबी है, लगभग 1750, जिसकी कई प्रतियाँ हैं, एक प्रमुख स्टेला, और बाद के समय में पहुंचने वाली कई पट्टियाँ, उन कानून संहिताओं में से सबसे प्रसिद्ध हैं।

तो, मूसा जो कोड दृश्य पर लाता है वह खेल में वास्तव में देर से आता है। मूसा का कानून कोड 1450 के आसपास है, जिसका अर्थ है कि यह खेल के अंत में हम्मुराबी के 300 से अधिक वर्षों बाद है। इसलिए, जैसा कि हम इन्हें देखते हैं, हम देख सकते हैं कि हम्मुराबी का कोड क्या कर सकता है इसकी सीमाएं हैं।

और इसलिए वे सीमाएँ, मुझे लगता है, तीन गुना हैं। दोनों दस्तावेजों को धार्मिक दस्तावेज़ कहा जा सकता है। उदाहरण के लिए, हम्मुराबी स्वयं को देवता शमाश से अपना कोड प्राप्त करते हुए चित्रित करता है।

लेकिन हम्मुराबी की संहिता को नैतिक बताना हमारे लिए कठिन होगा। यह क्रूर और हिंसक है, इसलिए इसकी संभावना नहीं है कि हम इसे समझ पाएंगे। नाटकीय फैशन के विपरीत, यह मूसा की संहिता के विपरीत है, जिसे अपने युग के मानकों की तुलना में बहुत दयालु के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

दूसरे, मूसा की संहिता हम्मुराबी की संहिता से इस अर्थ में भिन्न है कि हम्मुराबी की संहिता एक केस कानून है। यदि कोई आदमी ऐसा-वैसा करता है, तो प्रत्येक पैराग्राफ शूमा एविलम वाक्यांश से शुरू होता है। इसे केस लॉ कहा जाता है क्योंकि हम्मुराबी केस लॉ स्थितियों के व्यक्तिगत मामलों से निपट रहा है।

अब हम सोचते हैं कि हम्मुराबी ने कोई कानून संहिता लिखी ही नहीं। आज अधिकांश विद्वान यह सोचते हैं कि जिसे हम हम्मुराबी की संहिता कहते हैं, वह हम्मुराबी द्वारा लिए गए 282 निर्णयों की एक सूची मात्र है। और यह वास्तव में कोई कानून संहिता नहीं है।

मूसा की संहिता में कुछ केस कानून हैं, लेकिन यह बहुत ज्यादा नहीं है। मूसा के कानून का एक फैंसी नाम है। इसे एपोडिक्टिक कहा जाता है।

एक अपोडिक्टिक कानून प्रस्तावात्मक कानून है। यह कानून है जिसकी विशेषता आदेश है। आप नहीं करेंगे या आप करेंगे।

खैर, दिलचस्प बात यह है कि प्राचीन निकट पूर्व में हमारे पास प्रस्तावात्मक कानून जैसा कोई कानून नहीं है। प्राचीन निकट पूर्व में कानून केस कानून हैं। मूसा का कानून काफी हद तक प्रस्तावात्मक है, जो किसी भी उल्लंघन के होने से पहले ही इस बारे में नैतिक बयान देता है कि क्या सही है और क्या गलत है।

इसका मतलब है कि मूसा का कानून एक बार फिर अधिक नैतिक है क्योंकि अपराध से पहले दिए गए उसके बयान मूसा के कानून की व्याख्या करते हैं। तो चलिए मैं आपको पहले दो के बारे में बताता हूँ। हम्मुराबी की संहिता धार्मिक हो सकती है, लेकिन यह हमेशा नैतिक नहीं होती।

दूसरे, हम्मुराबी का कोड विशेष रूप से केस कानून है, जबकि मूसा ज्यादातर एपोडिक्टिक या प्रस्तावात्मक कानून है।

तीसरा, हम्मुराबी का कोड इसके मूल में स्तरीकृत है। उनके चार अलग-अलग ग्रुप हैं।

आपको वास्तव में इन्हें याद रखने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन समाज में आपकी स्थिति का एक पदानुक्रम है। सूची में सबसे ऊपर एविलम था। एविलम के नीचे एक कम सामाजिक श्रेणी थी जिसे मस्केनम कहा जाता था।

उसके नीचे एक तीसरी श्रेणी थी, वर्दुम, जो दासों के लिए थी। और चौथी श्रेणी महिलाओं के लिए थी, महिलाएं वास्तव में सबसे निचली श्रेणी में थीं क्योंकि उनके पास कोई अंतर्निहित अधिकार नहीं था। तो यह हमें बताता है कि, हम्मुराबी के कोड में, एक एविलम द्वारा किए गए अपराध के लिए कानून, एक स्वतंत्र पुरुष जो जमीन का मालिक है, उसके लिए अपराध की सजा गुलाम होने या महिला होने की तुलना में अलग है।

तो, हम्मुराबी की संहिता एक ऐसी संस्कृति से निपट रही है जो मौलिक रूप से वर्ग-विभाजित थी। इज़राइल में संहिता इस अर्थ में नाटकीय रूप से भिन्न थी कि इज़राइल में, हर कोई वाचा में समान भागीदार था। और हम्मुराबी का कोड बहुत अलग था।

यदि वे पुरुष थे तो हर कोई भाई था, और यदि महिला शामिल थी, तो वह बहन थी। तो, इससे मुझे अपना ध्यान कानून के बारे में एक ऐसी घटना की ओर आकर्षित करने की अनुमति मिलती है जो हमेशा दिखाई नहीं देती है। और मैं बस यहां तक जा रहा हूँ ताकि आप देख सकें कि इस पर मेरे मन में क्या है।

जब हमने इसे शुरू किया, तो हम मूसा के कानून और हम्मुराबी के कोड की तुलना के बारे में बात कर रहे थे। तो मैं जो करना चाहता हूँ वह आपको यह दिखाना है कि जब आप इसे ठीक से

समझते हैं, तो हिब्रू बाइबिल में कानून राजत्व में अपना आधार और आधार रखता है। मैं आपकी तरह एक संस्कृति में रहता हूँ, जिसमें बहुत सारे कानून हैं।

लेकिन यह वह कानून नहीं है जो हमें राजाओं द्वारा दिया गया है। यह एक ऐसा कानून है जिसे हमारे देश के नेताओं ने बनाया, और बाद के नेताओं ने और भी कानून बनाये। और कुछ मामलों में, लोकतंत्र में हम सभी ने उस कानून को मंजूरी देकर उसकी पुष्टि की है।

प्राचीन विश्व में, वे कानून को देवताओं के उपहार के रूप में देखते थे। हम्मुराबी को शमाश से कानून प्राप्त करते हुए चित्रित किया गया है। हिब्रू बाइबिल में भी यही सच है।

कानून एक विषय क्षेत्र है जो राजसत्ता के उद्गम में आता है। इसलिए, मैं आपसे यह पूछना चाहता हूँ कि यदि आपके पास बाइबिल है, तो मेरे साथ व्यवस्थाविवरण अध्याय 17 की ओर चलें। व्यवस्थाविवरण 17 में, हमारे पास एक अनुच्छेद है जो उस स्थान पर बैठता है जिसे मैं इज़राइल का संविधान कहूँगा।

दूसरे शब्दों में, इज़राइल के इस संविधान में, हमारे पास व्यवस्थाविवरण 16 से लेकर अध्याय 17 तक के कानून हैं जो इज़राइल के नेतृत्व, न्यायाधीशों और प्रशासकों, राजाओं और लेवियों और भविष्यवक्ताओं से संबंधित हैं। तो, 16 से 18 तक फैले इन अध्यायों में, हमारे पास चार प्रमुख संवैधानिक श्रेणियों की ओर से कानून हैं। वे न्यायाधीश, राजा, लेवी और भविष्यवक्ता हैं।

यह एक राष्ट्रीय संविधान है। ये बुनियादी सरकारी कार्यालय हैं जो देश चलाएंगे। मैं चाहूँगा कि आप देखें कि यह इज़राइल की दुनिया से कितना समान हो सकता है।

इस प्रकार, इस्राएलियों के पास लेवी या याजक थे। खैर, उनके पड़ोसियों के पास पुजारी थे। इस्राएलियों के पास भविष्यवक्ता थे।

खैर, उनके पड़ोसियों के पास पैगंबर नहीं थे, लेकिन उनके पास धार्मिक पदाधिकारी थे। इस्राएलियों के पास न्यायाधीश थे। खैर, उनके पड़ोसियों के पास न्यायाधीश थे।

परमेश्वर ने इस्राएल के लिए राजाओं को उनके पड़ोसियों की तरह ही प्रोग्राम किया। लेकिन इस्राएल और उसके पड़ोसियों के बीच राजत्व के अंतर को देखो। व्यवस्थाविवरण 17 में, अध्याय 17, श्लोक 14 में भगवान यह कहते हैं।

आप देखिये, मैं जिस चीज़ के विरुद्ध प्रतिक्रिया करने जा रहा हूँ वह 1 शमूएल 8 की गलतफ़हमी है। आपको याद है 1 शमूएल 8 में, इस्राएली शमूएल के पास आते हैं, और वे कहते हैं, अन्य सभी राष्ट्रों की तरह हमें भी एक राजा दीजिए। और सैमुअल इस अनुरोध से सचमुच परेशान है। परमेश्वर स्वयं कहते हैं कि उन्होंने पाप किया है, परन्तु परमेश्वर कहते हैं कि उनके अनुरोध का उत्तर दो और उन्हें एक राजा दो।

अब यह तर्क के नियमों का पालन करेगा। कॉलेज में मेरी एक तर्क कक्षा थी। बहुत समय पहले की बात है।

तर्क के नियमों के अनुसार, यह पाप नहीं हो सकता क्योंकि भगवान ने उसे ऐसा करने के लिए कहा था। तो, हम उस अनुच्छेद 1 शमूएल 8 पर वापस आएं, लेकिन जब हम ऐसा करेंगे, तो मैं यह कहना चाहता हूँ कि राजत्व सिर्फ एक कार्यालय है। यह न तो नैतिक है और न ही नैतिक।

यह न तो नैतिक है और न ही अनैतिक। यह सिर्फ एक कार्यालय है। कार्यालय के कामकाज का तरीका ही इसे नैतिक या अनैतिक बनाता है।

इसलिए, लोगों ने 1 शमूएल 8 में कहा, हमें अन्य सभी राष्ट्रों की तरह एक राजा दो। परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने पाप किया है, परन्तु उन्हें एक राजा दो। तो भगवान जिस बात पर सहमत हो रहे थे वह कार्यालय था, लेकिन अन्य सभी देशों की तरह नहीं।

तो यह व्यवस्थाविवरण 17 पद 14 के लिए महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि है। जब तुम उस देश में प्रवेश करते हो जो तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें देता है, और तुम उसके अधिकारनी हो जाते हो, और उस में रहने लगते हो, और कहते हो, कि मैं चारों ओर की सब जातियों के समान अपने ऊपर राजा ठहराऊंगा हे परमेश्वर उन से योंकहता है, तुम निश्चय अपने ऊपर एक राजा नियुक्त करोगे जिसे तुम्हारा परमेश्वर यहोवा चुन लेगा। ठीक है? तो यह महत्वपूर्ण है। यह गणितीय रूप से है, व्यवस्थाविवरण 17 1 शमूएल 8 से 400 वर्ष पहले का है। 1 शमूएल 8 जब वे एक राजा की मांग करते हैं, तो वे ऐसी कोई चीज़ नहीं मांग रहे हैं जो पहले कभी अस्तित्व में नहीं थी।

वे बस वही मांग रहे हैं जो भगवान ने व्यवस्थाविवरण 17 में वादा किया था। इसलिए, जब आप एक राजा मांगते हैं, अन्य सभी राष्ट्रों की तरह, भगवान कहते हैं कि आपको चुनना होगा, मुझे इसे फिर से पढ़ने दें, श्लोक 15, जिसे आपका भगवान भगवान चुनता है, तुम्हारे भाइयों में से एक। ठीक है? व्यवस्थाविवरण 17 के पद 15 में, आप राजा को नहीं चुनते, परमेश्वर आपके भाइयों में से किसी एक को राजा चुनता है।

मेरे साथ इस अनुरोध की समतावादी प्रकृति पर ध्यान दें। आपका राजा आपसे ऊपर नहीं है, वह आप में से एक है। शब्दावली को देखना महत्वपूर्ण है, एक भाई को राजा चुनें।

हम सभी अमेरिकी इतिहास के ऐसे मामलों को जानते हैं जहां राष्ट्रपति भूल गए हैं कि उन्हें लोगों द्वारा चुना गया था, और वे अपने लिए एक विशेष दर्जा मानते हैं। ठीक है, आप देखिए, इज़राइल के लिए भगवान की पद्धति यह है कि राजा आपसे ऊपर नहीं है। वह एक भाई है। प्रभु उसे चुनेंगे और वह आपका भाई है।

दूसरे, वह कहते हैं कि आप किसी ऐसे विदेशी को अपने ऊपर नहीं रख सकते जो आपका देशवासी न हो। वह दूसरा नहीं है, वह सिर्फ पहला है। वह तो भाई ही होगा। दूसरा यह कि उसे घोड़े नहीं बढ़ाने चाहिए।

अब, मुझे यकीन है कि इस वर्ग के दर्शकों के आकार में, ऐसे लोग हैं जो तुरंत समझ नहीं पाते हैं कि उन्हें घोड़ों की संख्या क्यों नहीं बढ़ानी चाहिए। इसका उत्तर यह है कि घोड़ा किसी चीज़ का एक रूपक है: घोड़ा सैन्य शक्ति का एक रूपक है। और इसलिए, जब पाठ कहता है कि उसे

घोड़ों की संख्या नहीं बढ़ानी चाहिए, तो यह सिर्फ यह कह रहा है कि उसे सैन्यवादी नहीं होना चाहिए।

पहली बात, वह ऐसा मनुष्य होना चाहिए जिसे परमेश्वर ने तुम्हारे भाइयों में से चुना हो। दूसरी बात, उसे सैन्यवादी नहीं होना चाहिए, उसे घोड़े नहीं बढ़ाने चाहिए। तीसरा, उसे पत्नियाँ नहीं बढ़ानी चाहिए।

खैर, असल में पत्नियों का बहुगुणित होना भी एक रूपक है। यह हरम बनाने के लिए उतना रूपक नहीं है जितना कि प्राचीन प्रथा के लिए है कि जब आप किसी अन्य संस्कृति या किसी अन्य देश की महिला से शादी करते हैं, तो यह एक सैन्य गठबंधन बनाने का एक तरीका था। यह हमें अजीब लगता है, लेकिन उस समय हर कोई ऐसा करता था।

जब आपने गठबंधन बनाया, तो, मेरा मानना है, हर मामले में, आपके अनुबंधित साथी की बेटी से शादी करके गठबंधन को आधिकारिक बना दिया गया था। बेशक, हम सभी जानते हैं कि सुलैमान ने बड़े पैमाने पर यह किया था। इसलिए, उसे पत्नियाँ नहीं बढ़ानी चाहिए, जिसका अर्थ है कि उसे अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन नहीं बनाना चाहिए।

फिर, आखिर में, वह कहता है कि उसे चाँदी और सोना नहीं बढ़ाना चाहिए। वह कहता है कि उसे राजा की संख्या नहीं बढ़ानी चाहिए। खैर, वह भी एक रूपक है।

इसका तात्पर्य यह है कि राजा को भौतिकवादी नहीं होना चाहिए। इसलिए, जैसा कि हम चार नकारात्मकताओं को देखते हैं, उसे विदेशी नहीं होना चाहिए, उसे सैन्यवादी नहीं होना चाहिए, उसे अंतर्राष्ट्रीयवादी नहीं होना चाहिए, और उसे भौतिकवादी नहीं होना चाहिए। वे चार चीज़ें हैं जिन्होंने उसे इस्राएल के आसपास के सभी देशों की तरह बनाया।

अंदाजा लगाइए कि इन चारों का उल्लंघन किसने किया? सुलैमान, या कम से कम हुकुम में अंतिम तीन। तो, इस्राएल के लिए एक राजा होने का क्या अर्थ है? खैर, यह कुछ इस तरह है। पद 18 में, ऐसा होगा जब वह अपने राज्य के सिंहासन पर बैठेगा, वह लेवीय पुजारियों की उपस्थिति में इस कानून की एक प्रति अपने लिए एक पुस्तक पर लिखेगा।

और वह उसके पास रहे, और वह जीवन भर इसे पढ़ता रहे, जिस से वह सब विधियों और इस व्यवस्था और इन विधियोंके सब वचनोंको ध्यान से मानकर अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानना सीखे। ताकि उसका मन अपने भाइयों के प्रति उदास न हो, और आज्ञा से न दाँएँ मुड़े और न बाँएँ, जिस से वह और उसके पुत्र बहुत दिन तक इस्राएल के बीच में राज्य करते रहें। मित्रों, यह एक अद्भुत दस्तावेज़ है, क्योंकि यह हमें बता रहा है कि ईश्वर की नज़र में इस्राएली राजा को जो चीज़ बनाती है, वह है कानून के प्रति उसकी निष्ठा।

उसे उस व्यवस्था की प्रतिलिपियाँ बनानी चाहिए जो परमेश्वर ने मूसा को दी थी। परमेश्वर ने मूसा को अपना पवित्र कानून प्रकट किया, और यह प्रत्येक इस्राएली राजा की जिम्मेदारी है कि वह उस कानून की प्रतियाँ बनाए और यह सुनिश्चित करे कि वह कानून देश का कानून बन जाए।

अब, यह बिल्कुल वह कानून और व्यवस्था नहीं है जो हमारे मन में है क्योंकि, जैसा कि हमने कहा, यह काफी हद तक धार्मिक कानून है।

लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण बात है क्योंकि यह हमें उस तरीके की याद दिलाता है जिसमें भगवान कानून-पालन के माध्यम से इज़राइल से जुड़े थे। परमेश्वर ने मूसा को व्यवस्था प्रगट की। मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूँ कि मूसा इज़राइल का पहला राजा था।

परमेश्वर ने मूसा को व्यवस्था प्रगट की, उसे दी, और मूसा ने उसे लिख लिया। बाद के सभी राजाओं को कानून की प्रतियां बनानी थीं। लेकिन क्या यह वह कानून था जो मूसा ने लिखा था या क्या यह कानून की प्रतियां थीं, कृपया ध्यान दें कि जिस तरह से भगवान, जो इस्राएल का राजा है, अपने लोगों से संबंधित कानून के माध्यम से था।

व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में हम कितनी बार देखते हैं कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को व्यवस्था का पालन करने में सावधान रहने को कहा? पूरा कानून. ऐसे लोग हैं जिन्होंने कानून और कानून व्यवस्था के स्थान को गलत समझा है, और ऐसा लगता है कि वे किसी तरह इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि कानून व्यवस्था कानूनवाद है और कानूनवाद एक बुरी चीज है। कक्षा में मैं आपको जो याद दिलाना चाहूँगा वह यह है कि प्राचीन इज़राइल में कानून का पालन करना वाचा की लिखित शर्तें थीं।

चाहे आप इसे जानते हों या नहीं, अमेरिका में जब आप नागरिक बन जाते हैं, तो आप एक ऐसा व्यक्ति बनने के लिए सहमत होते हैं जो कानून का पालन करता है। हमारे इस देश में बहुत सारे कानून हैं। वास्तव में, संख्यात्मक दृष्टि से, हमारे पास ईश्वर द्वारा मूसा को दिए गए कानूनों से कहीं अधिक कानून हैं।

अमेरिका राज्य के नागरिक के रूप में, आप या तो कानून का पालन करेंगे या फिर सज़ा भुगतेंगे। खैर, प्राचीन दुनिया में कानून और भी महत्वपूर्ण था क्योंकि यह धार्मिक कानून था और यह वाचा का संकेत था। इसलिए, मैं आपसे अपने साथ यह देखने के लिए कहना चाहता हूँ कि आप पुराने नियम या नए नियम में कानून से स्वतंत्र रूप से ईश्वर से संबंधित नहीं हो सकते हैं।

कानून अच्छा, पवित्र और परिपूर्ण है क्योंकि पौलुस ने रोमियों में यही कहा था। तो, बाइबिल की परंपरा में हम जो देखते हैं वह यह है कि भगवान राजा ने कानून लिखने के लिए प्रेरित किया। वास्तव में, जो मैं आपको सुझाऊँगा वह उत्पत्ति 1 और 2 में है, इससे पहले कि कानून देने के लिए कोई आधिकारिक राष्ट्र था, भगवान ने पहले जोड़े को कानून दिया था।

और उस ने उनको व्यवस्था दी, कि तुम काम करो, या बाटिका की रखवाली करो। तुम बगीचे की देखभाल करोगी. यह आपकी जिम्मेदारी है.

उस ने उनको नियम दिया, कि फूलो-फलो, और बढ़ो, और देश में भर जाओ। वह बगीचा होगा. और उस ने उसे यह आज्ञा दी, कि भले या बुरे के ज्ञान के वृक्ष का फल तू कभी न खाना।

तो, मुझे लगता है कि यह मेरे सबसे महत्वपूर्ण बिंदुओं में से एक है, और मैं इसे विकसित करने में समय नहीं लगा सकता क्योंकि हम पहले से ही अपने रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए, मैं हममें से जो लोग ईसाई परंपरा से हैं, उन्हें सुझाव दूंगा कि कानून का पालन राजा के रूप में ईश्वर से अविभाज्य रूप से संबंधित है। ईश्वर राजा वह है जो अपनी प्रजा को कानून देता है, चाहे वह पुराने नियम में इज़राइल का राजा ईश्वर हो या नए टेस्टामेंट में राजा यीशु हो।

लगभग कोई भी यह नहीं जानता है कि यदि आप इसे आनुपातिक आधार पर करते हैं, तो यीशु ने पुराने नियम में मूसा की तुलना में नए नियम में अधिक कानून दिए। नए नियम में 200 से अधिक कानून हैं, भले ही नया नियम पुराने नियम के आकार का केवल एक तिहाई या चौथाई है। मूसा ने 600 दिए।

यदि आप गणित करें, तो आनुपातिक रूप से, पहली वाचा की तुलना में नई वाचा में अधिक कानून हैं। इसलिए, मैं हम सभी को जो सुझाव दूंगा वह यह याद दिलाना है कि जब आप कानून शब्द देखें, तो आपको उसके सामने एक शब्द देखना चाहिए। तो मैं कानून शब्द को देखता हूं।

यह सचमुच बहुत खराब अंग्रेजी लिपि है। मैं इसका दोष किसी और पर मढ़ता हूं। अंग्रेजी का शब्द है लॉ।

यदि आप बाइबिल के अनुसार सोचना चाहते हैं, तो आपको इसके आगे एक शब्द रखना होगा, क्योंकि यह ईश्वर ही है जो कानून का दाता है। कानून वाचा से अविभाज्य है, और इसलिए जब भगवान ने मूसा के नेतृत्व के माध्यम से इसराइल के साथ एक वाचा बनाई, तो उन्होंने कानून दिया, और इज़राइल में राजा की जिम्मेदारी प्रत्येक क्रमिक राजा के लिए मोज़ेक कानून की एक प्रति बनाने में नाटकीय रूप से सन्निहित थी। इसलिए, मेरे सोचने के तरीके में, इसका प्रभाव इस बात पर भी पड़ना चाहिए कि हम नए नियम में कानून के बारे में कैसे सोचते हैं।

हम इस बारे में बात करने के आदी हैं कि हम कानून के अधीन नहीं हैं; हम अनुग्रह के अधीन हैं। हम मोज़ेक कानून के अधीन नहीं हैं, लेकिन हम हमेशा अनुग्रह के अधीन रहे हैं। यह कानून और अनुग्रह के बीच एक गलत विरोधाभास है।

कानून वह है जो आप तब करते हैं जब आप ईश्वर के बारे में सोचते हैं। जब आप ईश्वर से प्रेम करते हैं और उसके प्रति समर्पित होते हैं, तो आप उसकी व्यवस्था का पालन करते हैं। इसलिए, गलाटियन्स और रोमन्स जैसी किताबों में पॉल जिस चीज के खिलाफ प्रतिक्रिया कर रहा है, मेरे विचार में, वह काफी हद तक, शायद विशेष रूप से नहीं, बल्कि कानून का पालन करके काफी हद तक मुक्ति है।

खैर, हमें मुक्ति नहीं मिलती क्योंकि हम कानून का पालन करते हैं। हम कानून का पालन करते हैं क्योंकि हमने मुक्ति का अनुभव किया है। यह पुरुष और महिलाएं हैं जो इस अनुबंध में प्रवेश करते हैं कि हम उन साधनों को ढूंढते हैं जिनके द्वारा हम कानून का पालन करते हैं।

इसलिए, जैसे ही मैं इस व्याख्यान को समाप्त करता हूं, मैं आपको एक बार फिर से बताऊंगा कि जिस अवधारणा पर हम टैग कर रहे हैं वह राजत्व की अवधारणा है, और राजत्व का कानून से

अटूट संबंध है। इसलिए, मुझे लगता है कि जब हम नए नियम में आते हैं तो इसके लिए कुछ गंभीर पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। क्योंकि यीशु ने आप ही कहा है, कि यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं का पालन करो।

महान राजा, प्रभु यीशु ने अपने शिष्यों से कहा था कि जिस तरह से हम उनसे संबंधित होते हैं, वह वही करने से होता है जो उन्होंने हमें बताया है। अब, अगले व्याख्यान में, हम काफी नाटकीय ढंग से गियर बदलने जा रहे हैं, और हम, विशेष रूप से, राजत्व की इस अवधारणा को छोड़कर आगे बढ़ने जा रहे हैं। लेकिन मुझे आशा है कि मैं संपूर्ण बाइबल को एकरूपता प्रदान करने में राजत्व के विषय के सर्वोच्च महत्व के बारे में आपके मुँह में एक शक्तिशाली स्वाद छोड़ सकता हूँ।

इसलिए, हम शीघ्र ही यहां पन्ने बदलेंगे और अपनी कक्षा के अगले भाग में अपना ध्यान एक नए विषय क्षेत्र की ओर लगाएंगे। धन्यवाद।

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 9, जॉन 10, और कानून है।